पाठ्यक्रम (द्वितीय वर्ष)

बच्चे और सीखना

प्रथम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. सीखना अंक-10

1.1. सीखना (Learning) की अवधारणा से परिचय।

1.1.1 सीखने के बारे में स्वयं के विचार एवं सामाजिक धारणाएँ

1.2 ज्ञान का निर्माण व उसके तरीके (ज्ञान मीमांसा : Epistemology)

1.3 स्कूल में आने वाले बच्चे क्या-क्या जानते हैं?

1.4 सीखने को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 2. सीखना, बुद्धि और अभिप्रेरणा अंक-10

2.1 बुद्धि (Intelligence) की अवधारणा : सिद्धांतों की समझ एवं सीखने में भूमिका

2.1.1 बुद्धि के वर्गीकरण का औचित्य एवं समालोचनात्मक विमर्श

2.2 अभिप्रेरणा (Motivation) की अवधारणा

2.2.1 बाहरी और आंतरिक अभिप्रेरणा

2.2.2 अभिप्रेरणा और सीखने में सम्बन्ध

2.3 अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपेक्षाएँ

इकाई 3. व्यवहारवाद एवं संज्ञानवाद अंक-10

3.1 व्यवहारवाद (Behaviourism) की अवधारणा

3.1.1 व्यवहारवादी सिद्धान्त—अनुक्रिया अनुबंध सिद्धान्त (पॉवलव), सक्रिय अनुबंध सिद्धान्त (स्किनर)।

3.2 संज्ञानवाद (Cognitivism) की अवधारणा (जीन पियाजे के विशेष संदर्भ में)

3.2.1 स्कीमा (Schema), सम्मिलन (Assimilation), समायोजन (Accommodation), व्यवस्थापन (Organization), संतुलनीकरण (Equilibration), मानसिक संक्रियाएँ (Mental operations)

3.2.2 संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ—शैशव अवस्था से किशोरावस्था तक सोच का विकास व उसकी कड़ियाँ—सेंसरी मोटर, प्री-ऑपरेशनल कंक्रीट ऑपरेशनल, फॉर्मल ऑपरेशनल।

3.3 व्यवहारवाद एवं संज्ञानवाद के शैक्षिक निहितार्थ एवं समालोचना।

इकाई 4. सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त **अंक-07**

4.1 मस्तिष्क में सूचनाओं के आधार पर ज्ञान निर्माण

4.2 सूचना प्रसंस्करण मॉडल (Information Processing Model)

4.3 सीखने-सिखाने में स्मृति (Memory) की भूमिका: हम कैसे याद रखते हैं या भूल जाते हैं

4.4 सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त के शैक्षिक निहितार्थ एवं समालोचना।

इकाई 5. सीखने में समाज की भूमिका **अंक-10**

5.1 सीखना और समाज में अंतर्संबंध

5.2 सामाजिक संज्ञान के सिद्धान्त (Social Cognition theory) (बैन्डूरा) : मॉडलिंग की अवधारणा

5.3 सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त (Socio-Cultural theory) (व्यगोत्स्की):

  5.3.1 विकास के निकट का दायरा (ZPD), सांस्कृतिक उपकरण (Cultural Tools)

5.4 सिद्धांतों के शैक्षिक निहितार्थ एवं समालोचना

इकाई 6. भाषा एवं सोच **अंक-10**

6.1 बच्चे सम्प्रेषण कैसे करते हैं?

6.2 भाषा विकास के विभिन्न परिप्रेक्ष्य—स्किनर, व्यगोत्स्की, चोम्स्की आदि।

6.3 भाषा और सोच के बीच सम्बन्ध

6.4 कक्षा में बहुभाषिकता (Multilingualism) का महत्त्व

6.5 भाषा विकास में परिपक्वता का महत्त्व

6.6 अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका

इकाई 7. विशेष आवश्यकता वाले बच्चे **अंक-07**

7.1 विशेष आवश्यकताओं से अभिप्राय

7.2 क्षति, अपंगता एवं अक्षमता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण

7.3 समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) की अवधारणा

7.4 अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका

इकाई 8. खेल **अंक-06**

8.1 खेल से अभिप्राय, विशेषताएँ एवं प्रकार

8.2 अलग-अलग उम्र एवं विभिन्न संदर्भों में बच्चों के खेल

8.3 खेल: बच्चों के सीखने-सिखाने के माध्यम के रूप में

8.4 खेलों का महत्त्व: शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक एवं भाषायी विकास के संदर्भ में

8.5 अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका

विद्यालय संस्कृति, प्रबंधन और शिक्षक

द्वितीय प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, अतिरिक्त मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. विद्यालय की संकल्पना **अंक-10**

1.1. विद्यालय की आवश्यकता एवं उद्देश्य—विद्यालय की आवश्यकता, महत्त्व, उद्देश्य।

1.2 विद्यालय की संकल्पना—मानवीय, भौतिक, वित्तीय, प्रशासनिक संसाधनों के संदर्भ में।

1.3 विद्यालय के आधार—अधोसंरचना (Infrastructure कक्षा, मैदान, उपकरण आदि) दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, प्रशासनिक और प्रवेश प्रक्रिया।

1.4 प्रभावी विद्यालयों की विशेषताएँ—सामाजिकता, स्तरीयता, परिणामात्मकता, विश्वसनीयता, विकासात्मकता।

1.5 विद्यालय प्रबन्धन—अभिभावक, समुदाय एवं विद्यालय प्रबन्धन समिति की भूमिका।

1.6 कल्याणकारी योजनाएँ—विद्यार्थियों एवं शिक्षकों हेतु।

1.7 विद्यालय एक सामाजिक संस्था के रूप में—सभी वर्ग, धर्म, जाति, जेण्डर, समावेशी शिक्षा आदि के संदर्भ में।

इकाई 2. शिक्षा संचालन व्यवस्था **अंक-10**

2.1 संवैधानिक प्रावधान—समवर्ती सूची, आर.टी.ई 2009, एन.सी.एफ.टी.ई. 2009 की जानकारी विद्यालय के अर्थ, संरचना एवं संचालन के संदर्भ में।

2.2 शिक्षा का क्षेत्राधिकार—केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, समुदाय/ट्रस्ट।

2.3 शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र सरकार की भूमिका—राष्ट्रीय शिक्षा नीति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थाएँ (न्यूपा, एन.सी.ई.आर.टी.), केन्द्र प्रदत्त आर्थिक सहायता।

2.4 राज्य विधानसभा एवं मंत्रालय की भूमिका—शिक्षा के उन्नयन हेतु जनप्रतिनिधियों द्वारा दिये गए प्रस्ताव व संशोधन की प्रक्रिया।

2.5 राज्य की शिक्षा व्यवस्था—SIERT, DIET का स्वरूप, कार्य-प्रणाली, सचिवालय, निदेशालय, प्रशासनिक व्यवस्था एवं कार्य प्रणाली।

2.6 विद्यालय शिक्षा विभाग का ढाँचा—आयुक्त/निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी।

2.7 विद्यालय में शिक्षा सम्बन्धी विभिन्न प्रशासनिक सहयोगी संस्थाएँ—राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद् की भूमिका एवं विद्यालय के साथ सम्बन्ध।

इकाई 3. विद्यालय के प्रकार **अंक-10**

3.1 विद्यालय की संरचना—प्रशासनिक एवं अकादमिक स्तर, प्रकार एवं प्रक्रिया।

3.2 केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विद्यालय—केन्द्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय।

3.3 राज्य सरकार द्वारा संचालित विद्यालय—प्राथमिक, उच्च प्राथमिक/माध्यमिक, उच्चमाध्यमिक, आवासीय विद्यालय, मदरसा, संस्कृत विद्यालय।

3.4 निजी विद्यालय—

3.5 विशिष्ट विद्यालय—गुरुकुल कांगड़ी, पब्लिक स्कूल।

3.6 कॉमन स्कूल सिस्टम—राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कॉमन स्कूल सिस्टम आयाम, कॉमन स्कूल सिस्टम की विशेषताएँ CSSC (कॉमन स्कूल सिस्टम कमीशन) तथा RTE Act-2009 का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 4. विद्यालय संस्कृति और परिवेश **अंक-08**

4.1 विद्यालयों में बच्चों को औसत और श्रेष्ठ श्रेणियों में वर्गीकरण।

4.2 विद्यालयी प्रवृत्तियाँ और अनुशासन—राष्ट्रीय एवं धार्मिक पर्व जयन्तियाँ, उत्सव तथा उनमें निहित संदेश वार्षिकोत्सव, शनिवारीय गतिविधियाँ, प्रार्थना सभा द्वारा भ्रातृत्व भाव, राष्ट्र प्रेम, आपसी मेलजोल, सांस्कृतिक एकता, सामाजिक एकता के संदेश की समझ का विकास, नैतिक शिक्षा एवं योग शिक्षा द्वारा मूल्यों एवं अनुशासन का विकास, विद्यालयी समय सारणी राज्य सरकार के निर्देश एवं उनमें निहित धारणा की जानकारी, शिक्षक, विद्यालय एवं विद्यार्थी सम्बन्ध।

4.3 विद्यालय परिवेश और मूलभूत संकेतक—विद्यालयों के ध्वज, गणवेश, लोगो (प्रतीक), संदेश वाक्य।

इकाई 5. शिक्षा का नीतिशास्त्र **अंक-10**

5.1 नीतिशास्त्र का आशय एवं स्वरूप—नीतिशास्त्र आशय एवं स्वरूप।

5.2 मूल्य का अर्थ—मूल्य का अर्थ एवं प्रकार।

5.3 शिक्षा एवं नैतिक मूल्य—प्रमुख नैतिक मूल्य एवं प्रत्यय, शिक्षा और नैतिकता में सम्बन्ध, आधुनिक नैतिक द्वंद्व एवं शिक्षा, शैक्षिक नीतिशास्त्रीय समाधान, उत्तरदायित्व, सहभागिता एवं नैतिक साहस।

इकाई 6. शिक्षक का व्यक्तित्व **अंक-10**

6.1 शिक्षक के व्यक्तित्व के आयाम एवं प्रेरक तत्व।

6.2 शिक्षक के व्यक्तित्व का प्रभाव।

6.3 शिक्षक के व्यक्तित्व के प्रमुख पक्ष एवं विशेषताएँ—ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक पक्ष।

6.4 पूर्वाग्रहमुक्त व्यक्तित्व।

इकाई 7. शिक्षक एवं अनुसंधान **अंक–12**

7.1 अनुसंधान का आशय, प्रकार, प्रक्रिया एवं महत्त्व

7.2 विज्ञानपरक दृष्टिकोण का विकास—अधुनातन ज्ञान की जानकारी, नवाचार की समझ एवं सकारात्मक सोच।

7.3 क्रियात्मक अनुसंधान का आशय, विशेषताएँ, प्रक्रिया एवं उदाहरण, समस्याओं की सुझावात्मक सूची।

7.4 क्रियात्मक अनुसंधान में प्रयुक्त आवश्यक सांख्यिकीय ज्ञान।

आधुनिक विश्व में विद्यालयी शिक्षा

तृतीय प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—70, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. आधुनिक विश्व की तीन प्रमुख प्रक्रियाएँ **अंक–12**

1.1. औद्योगिकीकरण एवं शिक्षा
- 1.1.1 औद्योगिक उत्पादन की पृष्ठभूमि एवं स्वरूप
- 1.1.2 श्रम और बाजार के निर्माण में सार्वजनिक शिक्षा (Mass Education) की भूमिका

1.2. राष्ट्र-राज्य, राष्ट्रवाद एवं शिक्षा
- 1.2.1 आधुनिक राष्ट्र-राज्यों का उदय और स्वरूप
- 1.2.2 राष्ट्र, राज्यों के निर्माण में सार्वजनिक शिक्षा की भूमिका

1.3. लोकतंत्र एवं शिक्षा
- 1.3.1 लोकतंत्र का सिद्धान्त और नागरिकों की भूमिका व अधिकार
- 1.3.2 लोकतंत्र में शिक्षा
- 1.3.3 लोकतंत्र में शिक्षा के आदर्श

इकाई 2. आधुनिक विद्यालयों का स्वरूप और उनकी समीक्षा **अंक–10**

2.1 आधुनिक विद्यालयों का विकास
- 2.1.1 इंग्लैंड में सार्वजनिक शिक्षा का विकास
- 2.1.2 जर्मनी में सार्वजनिक शिक्षा का विकास
- 2.1.3 अमेरिका में सार्वजनिक शिक्षा का विकास
- 2.1.4 तुलनात्मक विवेचना

2.2 सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्थाओं की समालोचना
- 2.2.1 पाउलो फ्रेरे

2.2.2 जॉन होल्ट

2.2.3 अध्यापक के नाम पत्र-बारबियाना स्कूल के बच्चे

2.2.4 इवान इलिच

इकाई 3. वैश्वीकरण और शिक्षा **अंक-08**

3.1 वैश्वीकरण का आशय व प्रमुख विशेषताएँ

3.1.1 पूँजी का प्रवाह

3.1.2 उत्पाद का प्रवाह

3.1.3 श्रमिकों का प्रवाह

3.2 वैश्वीकरण का राष्ट्र-राज्य पर प्रभाव

3.2.1 औद्योगिक नीतियों पर प्रभाव

3.2.2 वैश्वीकरण का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव

3.2.3 किसानों व असंगठित क्षेत्रों के कामगारों पर वैश्वीकरण का प्रभाव

3.3 वैश्वीकरण का शिक्षा पर प्रभाव

इकाई 4. स्वतंत्रता के बाद भारत में शिक्षा का विकास-1947 से 1992 तक **अंक-10**

4.1 उच्च शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा आयोग : समीक्षा

4.1.1 संविधान में शिक्षा

4.1.2 आजाद भारत में बुनियादी शिक्षा

4.1.3 विश्वविद्यालय आयोग (उच्च शिक्षा आयोग) 1948

4.1.4 माध्यमिक शिक्षा (मुदालियर) आयोग (1952-53)

4.2 कोठारी आयोग—राष्ट्रीय विकास के लिए शिक्षा आयोग—सिफारिशें तथा उनका क्रियान्वयन की समीक्षा।

4.2.1 राष्ट्रीय शिक्षा आयोग, 1964-66

4.2.2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968

4.2.3 कार्यान्वयन की समीक्षा

4.3 1980 के दशक में शिक्षा की स्थिति व नई शिक्षा नीति, 1986

4.3.1 1980 के दशक तक की शैक्षिक स्थिति

4.3.2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986

4.4 'शिक्षा बिना बोझ के' समिति की रपट: यशपाल कमेटी 1992

4.4.1 यशपाल समिति के सुझावों की समीक्षा

इकाई 5. भारतीय शिक्षा व्यवस्था की उभरती तस्वीर-1992 के बाद **अंक-12**

5.1 अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक पहल

5.2 भारत में शैक्षणिक पहल—पहला चरण (1991-2001 तक)

5.2.1 जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम
5.2.2 वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था और पैरा शिक्षक
5.3 भारत में शैक्षणिक पहल—दूसरा चरण (2002-अब तक)
5.3.1 शिक्षा का अधिकार कानून की पृष्ठभूमि एवं विवेचना
5.3.2 सर्व शिक्षा अभियान
5.3.3 राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
5.4 भारतीय शिक्षा में उभरते मुद्दे
5.4.1 शिक्षा का निजीकरण
5.4.2 विद्यालयी व्यवस्था में जवाबदेही
5.4.3 शिक्षकों की बदलती परिस्थितियाँ
5.4.4 शिक्षा में समुदाय की भूमिका

इकाई 6. शैक्षणिक नवाचार और पहल से परिचय **अंक-10**

6.1 देश के अन्य राज्यों में शैक्षणिक पहल व नवाचार
6.1.1 गुजरात में आश्रम शालाएँ
6.1.2 एम.वी.एफ हैदराबाद
6.1.3 होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम
6.1.4 ऋषि वैली प्रयोग
6.2 राजस्थान राज्य में शैक्षणिक पहल व नवाचार
6.2.1 राजस्थान में शिक्षा कर्मी परियोजना
6.2.2 लोक जुम्बिश परियोजना
6.2.3 जनशाला कार्यक्रम
6.2.4 लहर कार्यक्रम
6.2.5 दूसरा दशक परियोजना

इकाई 7. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शैक्षिक आँकड़ों का महत्त्व **अंक-8**

7.1 आँकड़ों का महत्त्व
7.2 आँकड़ों के प्रकार
7.3 आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रमुख विधियाँ
7.3.1 सांख्यिकी गणनाओं से विश्लेषण
7.3.2 मानचित्र के माध्यम से आँकड़ों का विश्लेषण
7.3.3 दंड आरेख (Bar Diagram) के माध्यम से विश्लेषण
7.3.4 पाई डायग्राम के माध्यम से विश्लेषण
7.3.5 सारणीयन में प्रदर्शन एवं विश्लेषण

हिन्दी भाषा शिक्षण और प्रवीणता

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के उद्देश्य और मूल्यांकन के तरीके
अंक-05

एन.सी.एफ. 2005 के अनुसार—उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के उद्देश्य व स्वरूप, मूल्यांकन।

इकाई 2. मौखिक अभिव्यक्ति (उच्च प्राथमिक स्तर) **अंक-15**

2.1 सुन कर समझना

2.2 बोल कर विभिन्न रूपों में अभिव्यक्ति

2.2.1 सैद्धान्तिक पक्ष—आवाज के पहलू और उनके अर्थ से सम्बन्ध (कर्कश, मृदु, बीच में थमना, आरोह, अवरोह), संदर्भ के पहलू और उनका अर्थ से सम्बन्ध, विभिन्न तरह के संदर्भ (औपचारिक/अनौपचारिक वार्तालाप, नाटक, भाषण, खबर और उनकी विशेषताएँ), सुनने व बोलने वालों की अपनी पृष्ठभूमि, पूर्व ज्ञान एवं सामाजिक, सांस्कृतिक पहलू, श्रवण से वंचित व्यक्तियों की भाषा के पहलू।

2.2.2 विद्यार्थी-शिक्षक के सुनने-बोलने के कौशलों का विकास—आदेश व निर्देश की भाषा समझना व उनमें अंतर कर पाना, सुने हुए आदेश व निर्देशात्मक भाषा की समझ, अंतर एवं व्यवहार, विभिन्न तरह के वार्तालाप समझना और उनको समझ कर वार्तालाप में भाग लेना, टी.वी./रेडियो पर खबर, भाषण, नाटक को देख/सुनकर समझना और अपने शब्दों में मौखिक और लिखित रूप में सार व विश्लेषण प्रस्तुत करना, पढ़ कर सुनाई गई पाठ्य वस्तु, जैसे—कहानी, नाटक, लेख, कविता, अखबार की रपट को समझना और उसका मौखिक व लिखित सार व विश्लेषण प्रस्तुत करना।

2.2.3 बच्चों में मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के अवसर उपलब्ध कराना—उपर्युक्त क्षमताओं को बच्चों में विकसित करने के अवसर प्रदान करना।

2.2.4 मौखिक अभिव्यक्ति का मूल्यांकन

इकाई 3. पढ़कर समझना **अंक-15**

3.1 सैद्धान्तिक पक्ष—पाठ्य की जटिलता के स्तर और उसके कारकों को समझना, अलग-अलग तरह के पाठ व उनकी विशेषताएँ (कहानियाँ, लोक कथाएँ, पंचतंत्र, मिथक, फन्तासी,

वास्तविक कहानियाँ, विज्ञान रोमांच, उपन्यास-किशोर उपन्यास, कविता, लम्बी कविता, दोहे, चौपाई, खबर, लेख, विवरणात्मक व विश्लेषणात्मक पाठ्य), पाठ को समझने के स्तर-शाब्दिक, व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक, शब्द शक्तियों का उपयोग—अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, पढ़कर समझने की प्रक्रियाएँ/अवधारणाएँ—सरसरी तौर पर/शब्दशः पठन, अंदाज/अनुमान लगाना, समझकर पढ़ना, तुलना करना, प्रश्न करना, स्पष्ट करना, ब्रेल लिपि की समझ।

3.2 विद्यार्थी-शिक्षक की पढ़कर समझने की क्षमता का विकास—विद्यार्थी-शिक्षक में उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्य-वस्तु पढ़कर समझना, उसका विश्लेषण करना व संदर्भों से जोड़ना, उपयुक्त बाल साहित्य को पढ़कर रुचि विकसित करना, पाठ्य सामग्री पर तार्किक चिन्तन करना।

3.3 बच्चों की पढ़कर समझने की क्षमता का विकास—विभिन्न विषयों पर लेख, समाचार-पत्रों की खबरों व आलेख आदि को पढ़कर समझ पाना एवं अन्तर कर पाना, पुस्तकालय से पुस्तकें पढ़ कर उनका सार समझ पाना, पाठ्येत्तर सामग्री पढ़ने में रुचि विकसित करना।

इकाई 4. लिखकर अभिव्यक्त करना **अंक-10**

4.1 लिखने के विकास के सैद्धान्तिक पक्ष—लेखन के सांस्कृतिक पहलू—लेखन का उद्देश्य, उसकी दृष्टि व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, लेखन के स्तर समझना, लेखन के लिए बातचीत का महत्त्व।

4.2 विद्यार्थी-शिक्षक की लिखने की क्षमता का विकास—लेखन की योजना बनाना, विवरणात्मक लेख, कहानी, खबर, संस्मरण, कविता, नाटक, वर्णनात्मक लेख, तार्किक लेख घटना का विवरण लिखना, अपने और साथियों के लेखन का विभिन्न आधारों पर मूल्यांकन करना।

4.3 बच्चों में लेखन क्षमता का विकास—लिखने के उद्देश्य एवं पाठक के साथ सम्बन्ध स्थापित करना/चुनना, छात्र-छात्राओं में विविध लेखन के प्रति सकारात्मक दृष्टि उत्पन्न करना, लेख का ढाँचा (आउटलाइन) बनाना, उचित शब्द और उपमाएँ चुनना, ड्राफ्ट बनाकर उसे परखना।

इकाई 5. साहित्य के विभिन्न पहलू **अंक-05**

5.1 साहित्य की समझ।

5.2 छन्द-युक्त कविता, (विभिन्न प्रकार के छन्द व उनकी विशेषताएँ) छन्द-मुक्त कविता।

5.3 गद्य विधाएँ रेखा चित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, पत्र आदि का अध्ययन, अध्यापन

5.4 लेखन, परिवेश, पात्र, पाठ्य की संरचना आदि का संदर्भ

5.5 बाल साहित्य की समझ एवं उसका कक्षा में प्रयोग

इकाई 6. भाषा की संरचना के विभिन्न पहलू **अंक-05**

6.1 हिन्दी की शब्द संरचना—मूल शब्द से उसके रूप बनने के लिए।

6.2 ध्वनि संरचना

6.3 वाक्य संरचना के पहलू, सरल, संयुक्त एवं मिश्रित वाक्य

6.4 संधि, समास, उपसर्ग और प्रत्यय

इकाई 7. मूल्यांकन **अंक-05**

7.1 स्तत मूल्यांकन के उपकरण

7.2 भाषा के उपरोक्त पहलू—मौखिक, पढ़ना, लिखना आदि के मूल्यांकन के सिद्धान्त एवं तरीके।

7.3 भाषाई कौशलों तथा पहलूओं मुख्य बिन्दु पहचानना।

7.4 अवलोकन के बिन्दु एवं साक्ष्य एकत्रीकरण

7.5 सामूहिक एवं व्यक्तिश: अवलोकन (मौखिक—वातावरण, भाषण, नाटक, पढ़कर सुनाना आदि एवं लिखित लेख विधि, कहानी, कविता, खबर आदि।)

— साक्ष्य के आकलन के पैमाने बनाना

PEDAGOGY OF ENGLISH LANGUAGE

(FIFTH PAPER)

Maximum Marks: 100, Internal : 40, External : 60,

Studetns Contact Periods : 140

Unit of Study –

PART A : Enhancing the Proficiency Level of the Participants

Contact Periods : 50 Period

(Allotted period Spread over the year)

Marks : Internal - 25 marks

External 10 marks

Unit 1 : Listening And Speaking

1. Understanding sentences and frequently used expressions related to areas of most immediate relevance
   - ▲ Very basic personal and family information, shopping, local geography, employment.
2. Communicating in simple and routine tasks (requiring a simple and direct exchange of information on familiar and routine matters)
3. Describing in simple terms.

- ▲ Aspects of his/her background, environment and immediate needs

4. Understanding radio and television news in English (without too much effort)
   - 4.1 Note-taking and checking for accuracy with headlines
   - 4.2 Elaborating the notes taken (oral and written)
5. Understanding extended speech and lectures and following complex lines of argument (provided the topic is reasonably familiar)
   - 5.1 Taking notes to recollect
6. Taking part effortlessly in any conversation or discussion; having familiarity with idiomatic expressions and colloquialisms
7. Formulating ideas and opinions with precision
8. Giving clear-cut instructions and explanations to understand simple and complex matters using different communication tools and strategies.
9. Presenting a description or argument with an effective logical structure.

Unit 2 : Reading Comprehension

1. Reading very short, simple texts to find specific, predictable information in simple everyday material
   - ▲ Newspapers, advertisements, prospectuses, menus, timetables, personal letters, written instructions, questions
2. Reading with ease all forms of the written language.
   - ▲ Mobile messages, e-mails, notices, circulars, posters, pamphlets, academic texts, literary texts, etc. comprehensions on location, inference etc.
3. Understanding texts that consist mainly of high frequency everyday or job-related language.
   - ▲ School records, job descriptions, school/company profiles, products in market-comprehension questions.
4. Understanding description
   - ▲ Personal letters with wishes and feelings, formal letters with description of events
5. Understanding factual and literary texts of varying length
   - ▲ One act plays, modern poems, extract from modern novels, essays

6. Drawing inferences from texts
   - ▲ Articles, argumentative essays, opinion essays
7. Understanding the discourse structure of various genres
   - ▲ Short stories, novels, plays, essays
8. Understanding articles with various subtitles and complex organisational structure
   - ▲ Journal articles on familiar topics (NCERT journals, Teacher Plus, Edu Track, Edu Explorer.)

Unit 3 : Enhancing Writing Abilities

1. Taking notes of the oral and written texts with complen lines of argument
   - ▲ Note-taking of the oral texts, note-making of the written texts.
2. Presenting a clear, smoothly-flowing description or argument in a style appropriate to the context and with an effective logical structure.
   - ▲ Description of persons, places and objects.
3. Presenting clear, detailed descriptions of complex subjects, integrating sub-themes, developing particular points and rounding off with an appropriate conclusion.

Unit4: Enhancing Overall Personal Proficiency

1. Understanding and summarising information from different spoken and written sources
   - ▲ Writing summaries of conversations and different texts (newspaper articles, journal articles, essays, etc.)
2. Expressing him/herself spontaneously, very fluently and precisely
   - ▲ Self introduction, extempore speech, JAM sessions, etc.
3. Understanding a wide range of demanding, longer texts, and recognising implicit meaning
   - ▲ Reading complex and long passages and drawing inferences
4. Producing clear, well-structured, detailed text on complex subjects, showing controlled use of organisational patterns, connectors and cohesive devices.
   - ▲ Writing well-structured essays and articles, reports

PART – B

Unit 1 : The Learner and Language

Contact Periods : 12 Periods

Marks : Internal - 02 marks
External - 08 marks

1. Nature of the learner
   - 1.1 Different kinds of learners (first generation learners, young learners, beginners)
   - 1.2 Social factors (family, peers, school, society)
   - 1.3 Analytical discussion based on readings of social factors affecting the learners
   - 1.4 Psychological factors (attitudes, aptitude, motivation, needs levels of aspiration)
2. Nature of the language
   - 2.1 using the mother tongue as a resource for learning second language; designing an activity for teaching any of the four skills building on mother tongue as a resource.
   - 2.2 perspectives on the 'appropriate age' for beginning the teaching of English in india.

Unit 2 : Structure of English Language
Contact Periods : 14 Periods
Marks : Internal - 02 marks
External - 08 marks

1. Sound patterns
   - ▲ Diphthongs, triphthongs, consonant strings, syllables, stress at sentence level and intonation.
2. Structure of Hindi and English sentences
   - ▲ (S O V and S V O)
3. Teaching grammar to children
   - 3.1 Grammar teaching strategies (activities/tasks/games)
   - 3.2 Basic language/grammar aspects : revision of previously learnt structures; determiners (definite and indefinite article, omission of 'the', each, every); prepositions (movement and direction); pronouns (relative and reflexive); phrasal verbs; quantifiers; linking words (because, as, so, since, though, although, while, until); adjectives (comparison of adjectives, the order or adjectives); adverbs (manner); tense forms (broadly cover all the tense forms); clauses ('if' clause, noun clause, adjective clause, relative clause); simple, compound, complex sentences; positive

and negative sentences; cohesive markers (first, then, and then, next, after, finally, lastly); passivisation (with double objects, without an agent); modal auxiliaries (can, could, may, might, must, ought, will, would, shall, should); reported speech (direct and indirect)

Unit 3 : Teaching Strategies and Skills

Contact Periods : 24 Periods

Marks : Internal - 04 marks

External - 12 marks

1. Traditional methods and approaches of teaching English
   - 1.1 Grammar-translation method, direct method, structural approach, audio-lingual method
2. Contemporary approaches and methods of teaching English
   - 2.1 Situational approach, functional approach, communicative, language teaching approach, task-based language teaching method, eclectic approach, computer assisted language teaching method, constructivist approaches, TPR
   - 2.2 Discussion on the merits and demerits to traditional and contemporary approaches and methods of teaching English.
3. Dealing with affective factors in a language classroom
   - 3.1 Situation-based solutions for dealing with affective factors in a language classroom; motivation, anxiety, shyness, hyeractivity (group discussion)
4. Dealing with communication barriers in a language classroom
   - ▲ Listening, speaking, reading, writing.
5. Understanding the importance of inclusive education for children with special needs
6. Materials and activities to facilitate learning
   - 6.1 Listening—effective listening through stimulus variation; stages for an effective listening environment in the classroom; Poetry-Recitation (reading material to be presented); examples of types of poetry used in the different upper primary classes, their conduct, purpose; list under classes the types of poetry they would use with reasons, identification and presentation of 5 rhymes/poems under each category.

6.2 **Speaking**—seeing children's talk as valuable; reducing the teacher's talk-time in the classroom; free articulation story telling; talk on given theme for 4 minutes (individual); giving simple directions (to make/operate things, reaching a place); conversation-dialogue (pair); discussion, debate (group); discussion based on reading material on spoken language; using pair-work and group-work meaningfully to encourage speaking and participation

6.3 **Reading**—intensive and extensive reading; aloud and silent reading; skimming and scanning; pre-, while-and post-reading; kinds of texts and genres: why and how they help; student-teacher development of two reading activities for two different classes

6.4 **Writing**—brainstorming, sequencing/organising information; description, narration, paragraph and essay writing, diary writing, message writing, reviewing a book/TV serials, letters and process writing.

7. Some integrated activities for the classroom.
   - ▲ Role play/drama, surveys, research projects, reviews and reports, invitations, posters and pamphlets; presenting a write-up for each activity/task along with a demonstration of the same; analysing the given situation and deciding on what action to be taken with reasons; connecting with NCF-2005 the situation reflects; delivering 2 lessons for peer criticism at two different classes.

Unit 4 : Planning and Materials Development

Contact Periods : 20 periods

Marks : Internal- 04 marks

External - 12 marks

1. Understanding and analysing the Syllabus Guidelines for Rajasthan, Upper Primary level
2. Unit planning for a learner-centred classroom
   2.1 Designing a unit for a learner-centred classroom
   2.2 Components of teaching plan
   2.3 Format of a teaching plan
3. Preparation of low-cost teaching-learning materials
   3.1 Reading materials on scope and types of teaching-learning materials
   3.2 Overview and demonstration of a variety of teaching aids

4. The text-book : developing reading habits, personal response to poems and stories, adapting a text-book
5. Beyond the text-book
    5.1 Including children's literature in the classroom (poems, stories, etc.)
    5.2 Identifying supplementary material and designing activities to teach all four skills

Unit 5 : Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE)

Contact Periods : 20 periods

Marks : Internal - 03 marks

External - 10 marks

1. Assessment and Evaluation 'NCF-2005'
    1.1 The NCF perspective of English language assessment
2. Assessment of learning, for learning and as learning
    2.1 Meaning, implication and process
3. Tools and techniques
    3.1 Observation, anecdotal notes, portfolios, grading, self and peer assessment
4. Assessing language skills
    4.1 Assessing listening
    4.2 Assessing speaking
    4.3 Assessing reading
    4.4 Asessing writing
5. Attitude towards errors and mistakes in second language learning
    5.1 Positive feedback based on occurrence of errors and theif follow-up
    5.2 Ways to reduce error frequency
    5.3 Comparison of treatment of errors and mistakes in traditional and contemporary approaches and methods.

गणित शिक्षण

षष्ठम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. गणित की प्रकृति और गणित का सीखना-सिखाना **अंक-8**

1.1 कथन, कथनों के प्रकार, प्रत्युदाहरण एवं निगमनिक तर्क

1.2 गणित में परिभाषा तथा स्वयंसिद्ध सत्य

1.3 कंजेक्चर, प्रमाण, सत्यापन तथा अभिगृहीत

1.4 उच्च प्राथमिक कक्षाओं में गणित सीखने-सिखाने के विभिन्न तरीके।

इकाई 2. संख्याएँ एवं संख्या पद्धतियाँ **अंक-12**

2.1 अल्गोरिदम एवं मानक विधि

2.2 ऋणात्मक संख्याएँ

2.3 पूर्णांकों की समझ, गुणधर्म एवं संक्रियाएँ

2.4 अनन्त की अवधारणा

2.5 परिमेय संख्याएँ, गुणधर्म एवं सक्रियाएँ

2.6 वर्ग संख्याएँ

2.7 घन संख्याएँ

2.8 भाजक एवं अभाज्य संख्याएँ

इकाई 3. ज्यामिति तथा मापन **अंक-12**

ज्यामिति

3.1 ज्यामिति का इतिहास तथा प्रकृति

3.2 वेन हिले द्वारा प्रस्तुत ज्यामितीय चिन्तन के स्तर

3.3 स्थानिक समझ तथा प्रत्यक्षीकरण

3.4 रेखाएँ, कोण एवं बहुभुज

3.5 सममिति तथा सर्वांगसमता

मापन

3.6 क्षेत्रमिति

3.7 ठोस के आयतन एवं पृष्ठीय क्षेत्रफल

3.8 निर्देशांक ज्यामिति

इकाई 4. बीजगणित तथ बीजगणितीय चिंतन **अंक-8**

4.1 बीजगणितीय चिंतन क्या है?

4.1.1 अंकगणित का सामान्यीकरण और बीजगणित

4.1.2 प्रक्रिया से नियम की ओर बढ़ने के कारण

4.2 सम्बन्ध आधारित चिंतन को विकसित करने हेतु पैटर्न का उपयोग

4.2.1 पैटर्न एवं सामान्यीकरण

4.2.2 प्रतीकीकरण

4.2.3 सामान्यीकरण

4.3 बीजगणितीय विचार-वस्तु

4.3.1 रैखिक समीकरण

4.3.2 व्यंजकों का गुणा

4.3.3 व्यंजकों के गुणनखण्ड

4.4 बीजगणित सीखने की प्रक्रिया में बच्चों को आने वाली समस्याएँ

इकाई 5. आँकड़ों का प्रबन्धन, प्रायिकता तथा व्यावसायिक गणित **अंक-12**

5.1 आँकड़ों का प्रबन्धन: आँकड़ों का प्रदर्शन एवं विश्लेषण तथा उपयोग, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप तथा इनका प्रयोग

5.2 संभावना एवं प्रायिकता

5.3 व्यावसायिक गणित: अनुपात समानुपात, प्रतिशत, लाभ-हानि तथा ब्याज

इकाई 6. मूल्यांकन **अंक-08**

6.1 आकलन क्या एवं क्यों?

6.2 आकलन कैसे?

6.3 आकलन की प्रक्रिया के पक्ष

6.4 आकलन कब करें?

6.5 आकलन के तरीके

6.6 गुणात्मक टिप्पणी

6.7 आकलन का अभिलेखन (रिकॉर्डिंग)

6.8 विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की उपयोगिता

6.9 गणित के संदर्भ में सतत एवं समग्र आकलन के सूचक

संस्कृत भाषा शिक्षण

सप्तम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. संस्कृत भाषा का सामान्य परिचय **अंक-10**

(क) ऐतिहासिक संदर्भ में संस्कृत—

1.1.1 भारत में आर्य भाषा परिवारों के विकास के संदर्भ में संस्कृत की उत्पत्ति और विकास।

1.1.2 त्रिभाषा सूत्र में संस्कृत के स्थान की समझ।

1.1.3 संस्कृत की विभिन्न विधाओं एवं धाराओं का परिचय।

1.1.4 संस्कृत के गद्य-पद्य-चम्पू काव्यों का परिचय।

1.1.5 संस्कृत के महत्त्वपूर्ण रचनाकारों के साथ साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

(ख) वर्तमान संदर्भ में संस्कृत—

1.2.1 आधुनिक संस्कृत साहित्य की जानकारी (विशेषकर राजस्थान के संदर्भ में)

1.2.2 नैतिक व धार्मिक मूल्य के रूप में संस्कृत शिक्षण की सीमा।

1.2.3 बच्चे के परिवेश और बहुभाषिकता की समझ।

1.2.4 दैनिक जीवन में संस्कृत के बोलने और पढ़ने के अवसर व स्रोत।

इकाई 2. संस्कृत भाषा की संरचना **अंक-15**

(क) संस्कृत ध्वनियाँ, वर्ण, शब्द व वाक्य—

2.1 वर्ण परिचय

2.1.1 ध्वनि, वर्ण का सम्बन्ध

2.1.2 वर्णमाला

2.1.3 माहेश्वर सूत्र

2.1.4 वर्णसम्मेलन व शब्द संरचना

2.1.5 उच्चारण स्थान

2.1.6 प्रयत्न

2.1.7 अनुस्वार, विसर्ग एवं हलन्त का प्रयोग

2.2 पद परिचय

2.2.1 उपसर्ग

2.2.2 प्रत्यय

2.2.3 अव्यय

2.2.4 संधि

2.2.5 समास

2.2.6 षत्व-णत्व विधान

2.2.7 विशेष्य-विशेषण भाव

2.2.8 शब्दरूप

2.2.9 धातुरूप

2.3 वाक्य परिचय

2.3.1 लिंग

2.3.2 लकार

2.3.3 वचन

2.3.4 पुरुष

2.3.5 संस्कृत में वाक्य संरचना

2.3.6 कारक

2.3.7 वाच्य परिवर्तन

2.3.8 विराम चिह्न

2.3.9 शब्द भण्डार का विस्तार

2.3.10 संस्कृत के अंकों का ज्ञान

(ख) छंद और अलंकार—

2.4 छंदों का परिचय

2.5 अलंकारों का परिचय

इकाई 3. संस्कृत भाषा शिक्षण **अंक-**

(क) सैद्धान्तिक स्तर—

3.1 संस्कृत शिक्षण की विधियाँ

3.1.1 पारम्परिक विधियाँ

3.2.2 आधुनिक विधियाँ

3.2 संस्कृत शिक्षण के उपागम

3.2.1 संग्रन्थन-उपागम

3.2.2 निदानात्मक परीक्षण, उपचारात्मक शिक्षण

3.3 वर्णपद्धति, शब्द पद्धति और पूर्णभाषा पद्धति का ज्ञान

3.4 व्याकरण शिक्षण की प्रक्रिया को समझना।

3.4.1 वर्ण शिक्षण

3.4.2 संहिता और संयोग

3.4.3 शब्दरूप शिक्षण

3.4.4 धातुरूप शिक्षण

3.4.5 संधि शिक्षण

3.4.6 कारक शिक्षण

3.4.7 समास शिक्षण

3.4.8 लिंग शिक्षण

3.4.9 कृत्तद्धित प्रत्यय शिक्षण

3.4.10 स्त्री प्रत्यय शिक्षण

(ख) व्यावहारिक स्तर—

3.5 बच्चों के सीखने के स्तर के अनुरूप शिक्षण।

3.6 बच्चों के लिए संस्कृत में अभिव्यक्ति के अवसरों का सृजन।

3.7 अन्य विषयों में बच्चे की अवधारणात्मक समझ का संस्कृत के साथ समन्वय

3.8 नई और वैकल्पिक भाषा के रूप में शिक्षण एवं मूल्यांकन।

3.9 भिन्न-भिन्न समुदाय और क्षमता वाले बच्चों के संदर्भ को समझते हुए संस्कृत शिक्षण।

इकाई 4. कक्षोपयोगी सामग्री का निर्माण **अंक-10**

4.1 संस्कृत बोलने व लिखने के लिए गतिविधि की योजना बनाना।

4.1.1 संस्कृत संभाषण के लिए गतिविधियाँ।

4.1.2 संस्कृत लिखने के लिए गतिविधियाँ।

4.2 दैनिक शिक्षण योजना व समग्र शिक्षण योजना का निर्माण

4.2.1 दैनिक शिक्षण योजना

4.2.2 समग्र शिक्षण योजना

4.3 वर्तमान शिक्षण सामग्री का विश्लेषण

4.3.1 कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण

4.3.2 कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण

4.3.3 कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण

4.4 बच्चे की प्रतिक्रिया के आधार पर योजना और सामग्री में परिवर्तन

4.5 संस्कृत के प्राचीन तथा आधुनिक 10 रचनाकारों का परिचय

इकाई 5 मूल्यांकन **अंक-10**

5.1 मूल्यांकन की विभिन्न विधियाँ

5.2 प्रश्न पत्र निर्माण

5.3 सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

5.4 शिक्षक की पढ़ने, वाचन करने एवं लिखने की दक्षता में वृद्धि

स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा

अष्टम प्रश्न-पत्र

कुल अंक—50, आंतरिक मूल्यांकन—30, बाह्य मूल्यांकन—20, कालांश —80

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. बच्चों का स्वास्थ्य और खुशहाली अंक-05

1.1 स्वास्थ्य और खुशहाली के जैविक, सामाजिक व मानसिक पक्ष

1.2 बच्चों के स्वास्थ्य का सीखने पर प्रभाव

1.3 बच्चों की स्वास्थ्यप्रद आदतें, पोषण, मध्याह्न भोजन

1.4 पोषण

1.5 मध्याह्न भोजन

1.6 कुपोषण

1.7 स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने के तरीके

इकाई 2. बच्चों का स्वास्थ्य और विद्यालय अंक-04

2.1 विद्यालय परिवेश रोशनी, स्वच्छ हवा, पानी, बाग-बगीचे

2.2 प्राथमिक उपचार

2.3 विद्यालय और मानसिक तनाव-दुर्व्यवहार, दंड, शैक्षणिक दबाव, बड़े बच्चों का अनुचित व्यवहार

इकाई 3. समावेशी शिक्षा अंक-03

3.1 विद्यालय में सुविधाजनक परिवेश निर्माण की सम्भावनाएँ-बच्चों की व्यक्तिगत भिन्नताएँ

3.2 शारीरिक क्षमताएँ

3.3 मानसिकता और सामाजिक जरूरतों के आधार पर विद्यालय के भौतिक परिवेश को सुविधाजनक बनाने के अवसर खोजना

3.4 समावेशी संदर्भ में खेल व व्यायाम

इकाई 4. योग एवं व्यायाम का स्वास्थ्य से सम्बन्ध अंक-03

4.1 योग एवं स्वास्थ्य

4.2 स्वास्थ्य एवं व्यायाम

इकाई 5. विभिन्न खेल एवं शिक्षण विधियाँ अंक-05

5.1 खेल-कूद एवं शारीरिक शिक्षा की प्रमुख शिक्षण विधियाँ

5.2 उच्च प्राथमिक स्तर पर खेल, ऐथेलेटिक्स एवं जिम्नाटिक्स की सामान्य जानकारी।

वैकल्पिक विषय

सामाजिक विज्ञान शिक्षण

नवम् प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश —140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. कुछ बुनियादी प्रश्नों से परिचय **अंक-06**

1.1 समाज के बारे में हमारे प्रमुख सवाल क्या हैं?

1.2 क्या समाज से सम्बन्धित प्रश्नों का एक सर्वमान्य उत्तर हो सकता है? क्या सर्वमान्य उत्तर के अभाव में इसका अध्ययन सार्थक हैं?

1.3 क्या समाज का अध्ययन वैज्ञानिक हो सकता है?

1.4 सामाजिक विज्ञान में वस्तुनिष्ठता

1.5 सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं विधियाँ

इकाई 2. सामाजिक विज्ञान का स्वरूप एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **अंक-08**

2.1 समाज विज्ञानों का उद्भव एवं विकास

2.2 प्रारम्भिक विषय व समझ के ढाँचे (मार्क्स, वेबर और दुर्खीम)

2.3 सामाजिक आदर्शों एवं दृष्टिकोणों की बहुलता और उसके प्रभाव

2.4 विद्यालय स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण

इकाई 3. सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या निर्धारण एवं शिक्षा **अंक-06**

3.1 प्रो. यशपाल समिति एवं अन्य शिक्षा सुधार समितियों की सिफारिशें (सामाजिक विज्ञान शिक्षण के संदर्भ में)

3.2 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विज्ञान विषय की पुनर्रचना।

3.3 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में क्रियात्मक अनुसंधान आधारित परियोजना

3.4 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में प्रयोगशाला और उसकी उपादेयता

3.5 सामाजिक विज्ञान शिक्षण में कौशल विकास एवं गतिविधियाँ।

3.6 विषय-वस्तु का चयन और पाठ्यचर्या की समीक्षा

उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण की चुनौतियाँ **अंक-08**

इकाई 4. उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण की चुनौतियाँ (जेण्डर, धर्म, जाति, वर्ग)

4.1 उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण की चुनौतियाँ

4.2 जेण्डर, धर्म, जाति और वर्ग के आधार पर विविध सामाजिक अनुभव

4.3 बच्चों में अमूर्त चिन्तन का विकास और सामाजीकरण

4.4 सामाजिक सरोकार और सामुदायिक सहभागिता

इकाई 5. इतिहास का स्वरूप **अंक-06**

5.1 भारत में इतिहास अध्ययन का स्वरूप (पूर्व औपनिवेशिक, औपनिवेशिक, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी, अधीनस्थ समूहवादी [सब-आल्टर्न] अध्ययन आदि)

5.2 स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीयता तथा वैश्विक इतिहास का क्षेत्र

5.3 इतिहास लेखन में साक्ष्यों का महत्त्व

इकाई 6. भूगोल का स्वरूप **अंक-08**

6.1 भूगोल में कार्य कारण, समय, स्थान एवं घटना का प्रभाव

6.2 यूरोप में औपनिवेशीकरण, औद्योगीकरण और भूगोल अध्ययन का प्रारम्भ/शुरूआत

6.3 भूगोल में निश्चयवाद तथा उसकी समालोचना

6.4 वर्तमान में भूगोल विषय की पुनर्रचना

इकाई 7. सामाजिक और राजनीतिक जीवन का अध्ययन **अंक-08**

7.1 औपनिवेशिक शिक्षण में नागरिकशास्त्र

7.2 लोकतंत्र, राष्ट्रवाद और अंतरराष्ट्रीय सद्भावना

7.3 सामाजिक और राजनीतिक जीवन का शिक्षण

7.4 सामाजिक और राजनीतिक जीवन अध्ययन में यथार्थ की समालोचना और आदर्शवाद

इकाई 8. सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों का शिक्षण एवं मूल्यांकन **अंक-10**

8.1 स्वचयनित अध्यायों की संकल्पना मानचित्रण (Concept mapping), समीक्षा और उनकी गतिविधियों का क्रियान्वयन।

8.2 शिक्षण कौशल आधारित दैनिक शिक्षण योजना का निर्माण

8.3 पाठ हेतु सहायक सामग्री की खोज करना (पुस्तकें, वेब साइट्स, चार्ट, मॉडल चित्र, न्यूज पेपर कटिंग्स इत्यादि)

8.4 मूल्यांकन विधियाँ (सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के संदर्भ में)

विज्ञान शिक्षण

नवम् प्रश्न-पत्र

कुल अंक—100, आंतरिक मूल्यांकन—40, बाह्य मूल्यांकन—60, कालांश—140

इकाईवार विवरण—

इकाई 1. विज्ञान की प्रकृति **अंक-09**

1.1 प्राकृतिक घटनाओं, प्रक्रियाओं आदि में कार्य-कारण सम्बन्ध

1.2 विज्ञान की परिवर्तनशील अवधारणाएँ

1.3 मिथ्याकरण/झुंठलाना (Falsification), वैज्ञानिक सिद्धान्तों की वैधता

1.4 वर्गीकरण, विश्लेषण, सामान्यीकरण से पैटर्न खोजना तथा इससे नियम तक पहुँचना

1.5 वैज्ञानिक खोजों में अपनाई जाने वाली विभिन्न विधियाँ

1.6 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की पारस्परिक निर्भरता

इकाई 2. विज्ञान के शिक्षाशास्त्र सम्बन्धी मुद्दे **अंक-09**

2.1 विज्ञान का शिक्षाशास्त्र

2.2 विज्ञान के शिक्षाशास्त्र की अन्य विषयों के शिक्षाशास्त्र से तुलना

2.3 भारतीय संदर्भ में विज्ञान शिक्षण का इतिहास

2.4 बच्चों के पूर्व ज्ञान की पहचान करके नवीन ज्ञान से जोड़ना

2.5 नवीन ज्ञान से जोड़ने के विभिन्न तरीके

2.6 विज्ञान शिक्षण की तैयारी से सम्बन्धित अन्य मुद्दे—संसाधर, रुचि, प्रेरणा, समय-प्रबन्धन, सकारात्मक सोच, शिक्षक की भूमिका

इकाई 3. विज्ञान और समाज **अंक-06**

3.1 विज्ञान और प्रौद्योगिकी—दैनिक जीवन में प्रभाव

3.2 समाज का विज्ञान पर प्रभाव

3.3 विज्ञान और जेण्डर

3.4 विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से निपटने में विज्ञान की भूमिका

3.5 रोजमर्रा के फैसलों में विज्ञान की भूमिका

3.6 समस्याओं के तार्किक विश्लेषण में विज्ञान का प्रयोग

इकाई 4. पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकें **अंक-09**

4.1 पाठ्यचर्या में विज्ञान के उद्देश्य

4.2 पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में सम्बन्ध

4.3 उच्च प्राथमिक कक्षाओं की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा—पाठ्यचर्या के उद्देश्यों की दृष्टि से समीक्षा, बच्चों की कक्षा के स्तर के आधार पर समीक्षा, विषयवस्तु की वैधता के आधार पर समीक्षा, जेण्डर संवेदनशीलता के आधार पर समीक्षा

4.4 विज्ञान शिक्षण विधियाँ

इकाई 5. विज्ञान की विषयवस्तु **अंक-18**

5.1 वैज्ञानिक कौशल—वर्गीकरण, सामान्यीकरण, मापन, ग्राफ, बनाना, पृथक्करण, स्लाइड निर्माण, आँकड़ों का प्रबन्धन, प्रायोगिक कौशल

5.2 विज्ञान की अवधारणाओं का सुदृढ़ीकरण

5.3 हमारे चारों ओर के परिवर्तन—भौतिक एवं रासायनिक

5.4 अम्ल, क्षारक और लवण

5.5 धातु और अधातु

5.6 पौधों को जानिएँ

5.7 कोशिका संरचना

5.8 जन्तुओं में पोषण

5.9 गति

5.10 प्रकाश

5.11 विद्युत धारा

इकाई 6. मूल्यांकन **अंक-09**

6.1 मूल्यांकन के उद्देश्य

6.2 विज्ञान में सीखने के सूचक

6.3 कक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति

6.4 विभिन्न गतिविधियों द्वारा मूल्यांकन

❑❑❑